अनुक्रमांक : _____ मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 07
नाम : _____ No. of Printed Pages : 07

10042 2026 303 (BR)

संस्कृत

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट पूर्णांक : 100
Time : 3 Hours, 15 Minutes Maximum Marks : 100

सामान्य निर्देश :
प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. अधोलिखित गद्य-खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $(5 \times 2 = 10)$

(iv) अद्यावतीर्य तुरगात् प्रविश्य भक्तिप्रवणेन चेतसा तां प्रणामानम्। रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

(v) चन्द्रापीड द्रविणधार्मिक कुत्र अपश्यन् ?

अथवा / OR

1. अधीय राज्री दिवा च अकृतनिवृत्तिः आवास्य मात्तोऽपि मनसिनेन मर्यादावशात् आत्मानं स्तम्भयन्, कथं कथमपि कतिपयोतिकातेषु वासरुष, एकदा निर्गत्य बहिर्नेग्रेम शिप्रातटानि अनुसरन्, अतिवरया आगच्छत द्रादेव अतिबहून् तुरगमान् अद्राक्षीत्। दृष्टा च समुत्पन्नकुतूहलः तेषां परिजनाय पुरुषमन्वतमं प्रहिणोत्। आत्मन्यादि ऊरुटपेन पयसा उत्तीर्णं शिप्राग् भगवतः कार्तिकेयस्य आवतने तत्प्रतिवातार्तम् प्रतिपालयन् अतिष्ठत्।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पुस्तक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) "दृष्ट्वा च समुत्पन्नकुतूहलः तेषां परिजनाय पुरुषमन्वतमं प्रहिणोत्।" रेखांकित अंश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

(iii) चन्द्रापीड़ः कुत्र अतिष्ठत् ?

(iv) चन्द्रापीड़ः दूरादेव कान् अद्राक्षीत् ?

(v) 'अकृतनिवृत्तिः' इत्यत्र अकृतशब्दस्य अर्थः किम् अस्ति ?

UPBoardHub

2. अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक पात्र का हिन्दी अथवा संस्कृत में चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) (4)

(i) कादम्बरी (ii) कपिञ्जल (iii) मढलेखा

3. महाकवि बाणभट्ट की गद्य रचनाओं का उल्लेख करते हुए चन्द्रापीड़ उत्तरार्ध को दृष्टि में रखकर गद्यशैली की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) (4)

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए :

(अ) चन्द्रापीड़स्य सेविका अस्ति (1)

(i) मढलेखा (iii) शुकनासः
(ii) पत्रलेखा (iv) लक्ष्मी

(आ) पुण्डरीकस्य परममित्रम् अस्ति (1)

(i) शूद्रकः (iii) कपिञ्जलः
(ii) चन्द्रापीड़ः (iv) शुकनासः

5. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए $(2 + 5 = 7)$

(अ) तदक्ष कल्याणपरम्पराणां
भोक्तारमूर्जेस्वरलमात्मदेहम्।
महीतलस्पर्शनमात्रभिन्नमृद्धं
हि राज्यं पदमेन्द्रमाहुः ।।

(आ) तस्याः प्रसन्नेमुखप्रसाद
गुरुर्जुपाणा गुरवे निवेश्य।
प्रहर्षचिह्नानुमित प्रियाये
शंसस वाचा पुनरुक्तयेव ।।

6. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की ससन्दर्भ संस्कृत में व्याख्या कीजिए $(2 + 5 = 7)$

(अ) भवान्पीठ परवान्वेति
महान्ह्यस्त्वव देवदारु।
स्यातु नियोगुर्नहि शक्यमध्ये
विनाश्य रहस्य स्वयमध्क्षतेन ।।

(आ) सम्बन्धमाभाषणापूर्वमाहु
वृत्तं सतो सत्गतायोर्वलान्ते।
तद्भूतनाथानुगः नाहंसि न्य
सम्बन्धिनो मे प्रणय विहन्तुम् ।।

7. रघुवंश में कालिदास की शैली की समीक्षा करते हुए 'क इह रघुकारे न रमते' को स्पष्ट कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) (4)

8. अधोलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(अ) भूतनाथानुग क अस्ति ? (1)

(i) वशिष्ठ (ii) दिलीप (iii) सिंह (iv) कोऽपि नास्ति

(आ) 'साधो • मया मायाम् उद्भाव्य परीक्षितोऽसि' इत्यस्य कथनस्य वक्ता कः ? (1)

(i) दिलीप (iii) नन्दिनी
(ii) वशिष्ठ (iv) सिंह

9. अधोलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक की ससन्दर्भ हिन्दी में व्याख्या कीजिए $(2 + 5 = 7)$

(अ) उत्क्षष्योपोनयनयोरुपरूढवृत्ति
वाच्यं कुरु स्थिरताया विरतानुबन्धम्।
अस्मिन्नलिखितवतोत्रभूमिभागे,
मार्गे पदानि खलु ते विषमी भवन्ति ।।

(आ) शकुन्तला - (उपेत्य लतामालिश्य बनज्योत्स्ने, चूतसङ्गताऽपि मां प्रत्यालिङ्ग
शाखाबाहुभिः । अद्य प्रभृति दूर परिवर्तनी ते खलु भविष्यामि ।

10. अधोलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए (2 + 5 = 7)

(i) स्नेहप्रवृत्तिरेवंदर्शिनी।

(ii) अर्थो हि कन्या परकीय एव।

(iii) ओदकान्तं स्निग्धो जनोऽनुगन्तव्य इति श्रूयते।

11. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अंक के आधार पर कश्यप द्वारा शकुन्तला को कर्तव्य शिक्षा एवं राजा को उपदेश विषयक वृत्तान्त की व्याख्या कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) (4)

12. निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(अ) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अङ्क में कुल कितने श्लोक हैं ? (1)

(i) 10 (ii) 12 (iii) 9 (iv) 8

(आ) 'शममेष्यति मे शोकः' अस्य कथनस्य वक्ता कः ? (1)

(i) शकुन्तला (iii) कश्यप

(ii) गौतमी (iv) प्रियंवदा

13. अधोलिखित में से किसी एक विषय पर 10 पंक्तियों में संस्कृत में निबन्ध लिखिए : (10)

(i) सदाचार (iii) महाकविकलिदास

(ii) परोपकार (iv) अहिंसा परमो धर्मः

14. रूपक अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण हिन्दी या संस्कृत में लिखिए।

अथवा / OR

उपमा अलंकार का उदाहरण संस्कृत में लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। (4 × 2 = 8)

16.

(आ) 'हरि दैत्येभ्य अलम्' में रेखांकित पद में कौन-सी विभक्ति है ? (1)

(i) सप्तमी (iii) षष्ठी
(ii) चतुर्थी (iv) पञ्चमी

17.

(अ) निम्नलिखित पदों में से किसी एक में विग्रह कीजिए : (2)

(i) प्रतिमासम् (iii) पञ्चपात्रम्
(ii) समति (iv) रामसीते

(आ) 'यूकालिकस्म्' में प्रयुक्त समास का नाम है (1)

(i) द्विगु (iii) द्वन्द्व
(ii) कर्मधारय (iv) अव्ययीभाव

18.

(अ) 'क्रुदप' में सन्धि का नाम तथा सन्धि विधायक सूत्र लिखिए। (2)

(आ) 'कवियरयम्' का सन्धि-विच्छेद है : (1)

(i) कविर् + अयम् (iii) कविस् + अयम्
(ii) कविर् + अयम् (iv) कवि + अयम्

19.

(अ) 'मधुनः' पद मधु प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है ? (2)

(i) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन (iii) प्रथमा विभक्ति, एकवचन
(ii) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (iv) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(आ) एतत् पुल्लिंग सर्वनाम का चतुर्थी एवं पञ्चमी विभक्ति के बहुवचन का रूप बनेगा : (1)

(i) एते (iii) एतेभ्य

(ii) एतयो (iv) एते

20.

(अ) 'शेवहे' क्रियापद में लकार, पुरुष और वचन बताइए। (2)

(i) लोट् लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन (iii) लृट् लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन

(ii) लङ् लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन (iv) लट् लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन

(आ) 'नेष्यति नेष्यते ये दोनों क्रियापद उभयपदी किस धातु के किस लकार के रूप हैं ? (1)

(i) लोट् (ii) लट् (iii) लङ् (iv) लृट्

21.

(अ) 'ज्ञानम्' पद में प्रयुक्त प्रकृति (धातु) एवं प्रत्यय बताइए। (2)

(आ) 'प्रच्छ्' धातु से तुमुन् प्रत्यय लगाने पर शब्द बनेगा : (1)

(i) प्रच्छम् (iii) प्रष्टुम् नास्ति

(ii) प्रेषम् (iv) कोऽपि

22. अधोलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का वाच्य-परिवर्तन कीजिए : (2)

(i) सीता मां पश्यति। (ii) सीतया पुस्तकम् अपठयत्। (iii) छात्राः हसन्ति।

आप UPBoardHub पर अपने Recent पेपर को भेज कर 10₹–20₹ प्रति पेपर Reward पा सकते हैं

UPBoardHub